



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. ९२]

नई दिल्ली, ब्रह्माचार, अप्रैल २९, १९८१/वैशाख ९, १९०३

No. 92] NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 29, 1981/VAISAKHA 9, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था ही जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय  
आयात व्यापार नियंत्रण  
सार्वजनिक सूचना सं. 22 आईटीसी (पीएन)/81

नई दिल्ली, २९ अप्रैल, १९८१

विषय :—१९८१-८२ के लिए आयात नीति

मि. सं. आईटीसी/८/२/८१.—वाणिज्य विभाग की सार्वजनिक सूचना सं. १३-आईटीसी (पीएन)/८१, दिनांक ३ अप्रैल, १९८१ के अधीन प्रकाशित यथा संशोधित अप्रैल १९८१-मार्च १९८२ के लिए आयात नीति की ओर ध्यान दिलाया जाता है।

२. १९८१-८२ का आयात नीति के परिविष्ट-१० में मद सं. २ के अनुसार वास्तविक उपयोक्ताओं (औद्योगिक) के लिए निम्नलिखित लोहे तथा इस्पात की नई मद्द खुले सामान्य लाइ-संस में ला दी गई हैं और इनके लिए निम्नलिखित शर्तें लागू होंगी :—

- (1) कायल में उच्च कार्बन (०.६ प्रतिशत और इससे अधिक कार्बन) की इस्पात तार छड़े।
- (2) कायल्स में सभी वर्गों की कार्बन की (०.६ प्रतिशत से कम कार्बन) इस्पात तार छड़े।
- (3) २.२ एम. एम. और कम की कोटाई में हाट रोल्ड शॉट्स/स्ट्रॉप्स/कायल्स

(4) आई. एम. २८३०/२८३१ या इसके समतुल्य विविषिष्ट-करण के कार्बन इस्पात बिल्डर्स

(5) स्कवर्चेस / राउम्डस / राउस / हैम्पसागन्स / आक्टा-गन्स/सभी श्रेष्ठियों के कार्बन इस्पात के फ्लैट्स।

३. उपर्युक्त मद्दों के सम्बन्ध में यह नियंत्रण किया गया है कि पात्र आयातकों को अपनी आयात संविधाएं लोहा तथा इस्पात नियंत्रक, कलकत्ता के पास पंजीकृत करारानी पड़ेगी। लोहा तथा इस्पात नियंत्रक, कलकत्ता इवारु ऐसे पंजीकरण के साक्ष्य के रूप में सम्बद्ध संविधाओं पर मोहर लग जाने के बाद ही आयातों की स्वीकृत दी जाएगी। इस प्रयोजन के लिए लोहा तथा इस्पात नियंत्रक, कलकत्ता के पास संविधा की दो प्रतिथां जमा करानी चाहए और वह प्रत्येक पृष्ठ पर मोहर लगा कर उसकी एक प्रति पाटी को लौटा देगा यह शर्त सार्व आयात नीति के अनुसार इन मद्दों के आयात के लिए पात्र नियंत्रण सबनों और व्यापार सदनों के लिए भी सार्व होगी जिसके अधीन वे खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन वास्तविक उपयोक्ताओं (औद्योगिक) के लिए यथा अनुमति काढ़े माल का आयात कर सकते हैं।

४. तदनुसार निम्नलिखित शर्त को १९८१-८२ की आयात नीति के पृष्ठ-११७ पर धर्षाएं गए परिविष्ट-१० में शर्त सं. (२२) के बाद निविष्ट किया जाएगा :—

“(२२) निम्नलिखित लोहे तथा इस्पात की मद्दों के मामले में जिन जा आयात खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन

अनुभेद है, पात्र आयातकों—शास्त्रीयिक उपयोक्ताओं (आईपीसी) और अन्य को ऐसी संविदाओं को करने की तारीख से 15 विनों के भीतर अपनी आयात मंचिकाएं लोहा तथा इस्पात नियंत्रक, कलकत्ता के पास पंजीकृत करवानी पड़ेगी। लोहा तथा इस्पात नियंत्रक कलकत्ता बूद्धारा ऐसे पंजीकरण के साक्षय के रूप में समबद्ध लंबिताओं पर मोहर लग जाने के बाद ही आयातों की स्वीकृति दी जाएगी। इस प्रयोजन के लिए लोहा तथा इस्पात नियंत्रक, कलकत्ता के पास मंचिदा की ये प्रतियां जमा करानी चाहिए और वह प्रत्येक पृष्ठ पर भीहर लगाकर उसकी एक प्रति पाटी को लाया देगा। ये मद्देनिम्नलिखित होगी :—

- (1) कायल में उच्च कार्बन (0.6 प्रतिशत और इससे अधिक कार्बन) की इस्पात तार छड़े
- (2) कायलस में सभी वर्गों की कार्बन की (0.6 प्रतिशत से कम कार्बन) इस्पात तार छड़े
- (3) 2.5 एम.एम. और कम की मोटाई में हाट रील्ड शीट्स/स्ट्रिप्स/कायलस
- (4) आईएस-2830/2831 या इसके समतुल्य विशिष्टकरण के कार्बन इस्पात बिल्टेट्स
- (5) स्फीरिंग / राउण्ड्स / हेक्सागन्स / आक्टागन्स/ मणि श्रीणियों के कार्बन इस्पात के कैलेस्ट्रम्।

5. 3 अप्रैल, 1981 से इस सार्वजनिक सूचना के जारी होने की तारीख तक की अवधि के दौरान 1981-82 के लिए आयात नीति के अधीन उपर्युक्त मदों के लिए पात्र आयातकों द्वारा पहले ही पंजीकृत करवाई गई आयात संविदाएं भी 15 मई, 1981 तक लोहा तथा इस्पात नियंत्रक, कलकत्ता के पास पंजीकृत करानी चाहिए। सीमा शूलक प्रविधिकारियों द्वारा ऐसी मंचिदाओं के मद्देन आयात की स्वीकृति भी पंजीकरण के साक्षय के रूप में लोहा तथा इस्पात नियंत्रक द्वारा विधिवत मोहर लगी सम्बद्ध मंचिदा की प्रति को प्रस्तुत करने पर ही दी जाएगी।

6. 1981-82 के आयात नीति के पठ 105 पा वशाएं गए परिविष्ट-7 में लोहे तथा इस्पात तथा लोह मिश धातू की प्रतिक्रिया सूची में निम्नलिखित मंद को वर्तमान प्रविष्टि 2 के बाद जोड़ा जाया समझ जाएगा :—

2-क “सभी सेंकण्ड/सेंकण्ड वर्ग/नक्सवाले कटिंग/कार्बन इस्पात बिल्टेट्स के सभी वर्गों को दिना स्ट्रिट अवस्था में सर्किल/शीट्स/ किसी भी रूप में/आकार में स्ट्रिप्स”

मनि नारायणस्वामी, मूल्य नियंत्रक-  
आयात-नियंत्रण

#### MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

Public Notice No. 22-ITC(PN)/81

New Delhi, the 29th April, 1981

Subject : Import Policy, 1981-82.

F. No. IPC/5/2/81.—Attention is invited to the import policy for April 1981-March 1982, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 13-ITC(PN)/81 dated 3-4-1981, as amended.

2. The following items of iron and steel have been newly placed on Open General Licence for Actual Users (Industrial) vide Item No. 2 in Appendix 10 of import policy, 1981-82, subject to the conditions applicable thereto :—

- (i) High carbon (carbon 0.6 per cent and above) steel wire rods in coils.
- (ii) All grades of carbon steel (carbon less than 0.6 per cent) wire rods in coils.
- (iii) Hot rolled sheets/strips/coils in thickness 2.5 mm and below.
- (iv) Carbon steel billet to specification IS-2830/2831 or equivalent.
- (v) Squares/rounds/rods/hexagons/octagons/flats of carbon steel of all grades.

3. It has been decided that in respect of the above items, eligible importers shall be required to register their import contracts with the Iron and Steel Controller, Calcutta. Imports shall be allowed only after the connected contracts have been stamped by the Iron and Steel Controller, Calcutta as evidence of such registration. For this purpose, two copies of the contract should be lodged with the Iron and Steel Controller, Calcutta and he will return one copy to the party duly stamped on each page. This condition will also be applicable to Export Houses and Trading Houses eligible to import these items in accordance with the import policy in force under which they can import raw materials as are open to Actual Users (Industrial) under Open General Licence.

4. Accordingly the following condition shall be incorporated after condition No. (22A) in Appendix 10 at page 117 of import policy, 1981-82 :—

“(22-B) In the case of undermentioned iron and steel items of which import is allowed under Open General Licence, the eligible importers—Actual Users (Industrial) and others—shall be required to register their import contracts with the Iron and Steel Controller, Calcutta within fifteen days from the date of entering into such contract. Imports shall be made only after the connected contracts have been stamped by the Iron and Steel Controller, Calcutta as evidence of such registration. For this purpose, two copies of the contract should be lodged with the Iron and Steel Controller, Calcutta and he will return one copy to the party duly stamped on each page. These items are :—

- (i) High carbon (carbon 0.6 per cent and above) steel wire rods in coils.
- (ii) All grades of carbon steel (carbon less than 0.6 per cent) wire rods in coils.
- (iii) Hot rolled sheets/strips/coils in thickness 2.5 mm and below.
- (iv) Carbon steel billet to specification IS-2830/2831 or equivalent.
- (v) Squares/rounds/rods/hexagons/octagons/flats of carbon steel of all grades.”

5. The import contracts already entered into by eligible importers for the aforesaid items under the import policy for 1981-82, during the period from 3rd April, 1981 to the date of this Public Notice should also be registered with the Iron and Steel Controller, Calcutta not later than 15th May, 1981. Imports against such contracts will also be allowed by the customs authorities only on production of the copy of the relevant contract duly stamped by Iron and Steel Controller as evidence of registration.

6. The following item shall also be deemed to have been included in the Restricted list of iron and steel and ferro alloys in Appendix 7 at page 105 of import policy, 1981-82, after the existing entry 2 therein :—

“2-A. All seconds/second grades/defectives/cuttings/circles in uncoated condition of all grades of carbon steel plates/sheets/strips/coils in any form/shape”.

MANI NARAYAN SWAMI, Chief Controller of Imports and Exports